B.Ed प्रथम सेमे॰ - 2021-2022

Philosophy

'शिक्षा एवं समकालीन भारतीय समाज'

'CONTEMPORARY INDIAN SOCIETY'

सामान्यतः व्यक्तियों के समूह को हम **समाज** कहते हैं। इस प्रकार समाज के व्यक्तियों के बीच बने सामाजिक सम्बन्धों को हम '**समाज**' कहते हैं। प्रत्येक समाज यह चाहता है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति एक उपयोगी सदस्य व समाज का एक अच्छा नागरिक बने।

समाज का अर्थ एवं परिभाषा

Meaning and Definitions of Society

अरस्तु के अनुसार - मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।

दुर्खीम के अनुसार - स्वतः जन्मा

मैकाइवर एवं पेज के अनुसार - समाज सामाजिक सम्बन्धों का जाल है। रीतियों एवं कार्यप्रणालियों, अधिकार, पारस्परिक सहयोग समूह एवं विभाजन, नियंत्रण, एवं स्वतन्त्रता की व्यवस्था है।

गिन्सबर्ग - सामान्य हित सामान्य भू-भाग, सामान्य रहन-सहन,

गिडिन्स - पारस्परिक जागरूकता + समान चेतना।

बोगियर्ड - मनुष्य के अन्तः सम्बन्धों की जटिल व्यवस्था।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

13/01/2022

AKHILESH YADAV
(B.Ed. M.Ed BHU)

2 भारतीय समाज के सिद्धान्त

Principles of Indian Society

1 विभिन्न धर्मों के समावेशन का सि० – भारत भूमि विभिन्न धर्मों की संगम स्थली रही है। विभिन्न कालों में भिन्न 2 शासकों ने, राज्यों ने एवं आक्रमणकारियों ने भारत जैसे पवित्र देश पर आक्रमण कर लूटने, सत्ता स्थापित करने का प्रयास किये भारतीय धर्म एवं संस्कृति अपने विभिन्न धर्मों को अपना कर उन्हें यहीं पर विकास करने तथा अपने ही देश समझने पर विवश किया

② समानता एवं असमानता का सि० – भारतीय समाज समानता एवं असमानता का समागम है। यह किसी भी धर्म समुदाय के साथ किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं किया जाता है सभी धर्मों को एक इकाई के रूप में बाँधने का प्रयास करती है।

③ विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं का सम्मिश्रण : भारत के विभिन्न क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों में विवाह - रीति - रिवाज, पहनावा भाषा तथा सामाजिक आदान - प्रदान में भिन्नताएँ पड़ी जाती है। कुछ अपवादों को छोड़कर प्रादेशिक सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य आज भी समाज में बने हुए हैं। भाषा, रहन - सहन, खान - पान, आदि परम्पराओं में भेद होने के बाद भी संपूर्ण सामाजिक व धार्मिक उत्सवों का प्रचलन सामान्य रूप से पूरे देश में एक जैसा है होली दिवाली, ईद रक्षाबन्धन, दशहरा आदि।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

AKHILESH YADAV
(B.Ed. M.Ed B.H.U.)

भारतीय समाज की विशेषताएं

1- विविधता में एकता की व्यवस्था

2- संयुक्त परिवार की व्यवस्था

③ धर्म की प्रधानता भारतीय समाज धर्म प्रधान है यह किसी भी धर्म के साथ भेद भाव नहीं किया जाता है।

④ भारतीय समाज में जाति व्यवस्था

⑤ भारतीय समाज की एक महान विशेषता इसकी सहिष्णुता।

⑦ भारतीय समाज में आध्यात्मवाद

शिक्षा व समाज में सम्बन्ध
Relation between Education and Society

ओटावे के अनुसार - किसी भी समाज में दी जाने वाली शिक्षा समय के साथ उसी प्रकार बदलती है जिस प्रकार समाज बदलता है।

① भौतिकवादी समाज - शिक्षा एक ऐसी व्यवस्था जिसमें समाज व्यावसायिक सम्पन्नता प्राप्त करे इससे भौतिक सुख-सुविधाओं को ज्यादा महत्व दिया जाता है।

② आदर्शवादी समाज - ऐसे समाज की शिक्षा में चारित्रिक गठन एवं मानसिक विकास पर बल दिया जाता है।

③ प्रयोजनवादी समाज -

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

13/01/2022

AKHILESH YADAV
(B.Ed. M.Ed. BHU)